>

Title: Need to make provision of capital punishment for cow slaughter.

श्री जयवंत गंगाराम आवले (लातूर): देश में गौ वध के कई मामले भूतकाल में होते आए हैं और समय-समय पर देश के नागरिकों द्वारा गौ-हत्या के खिलाफ आवाज भी उठाई गई । लेकिन देश में गौ-हत्या अभी तक बंद नहीं हो पाई है, जिसे भारतवÂान में देवी स्वरूप पूजा जाता है ।

पिछले माह गौ-हत्याओं का एक बहुत ही निर्मम दृश्य कानपुर के समीप देखने को मिला । वहाँ करीब नौ गायों के कटे हुए शव और उनके सिर मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई । यह मामला कानपुर के चौबेपुर और ककवन ग्रामीण क्षेत्र के जंगलों के बीच का है । इस निर्मम कृत्य के आरोपी हत्यारे वहाँ से गाँव वालों की भीड़ इकट्ठी होते देखकर फरार हो गए ।

गौ-हत्या को बंद कराने हेतु सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाते हुए गौ-हत्यारों को मृत्युंड तक की सजा से कम न दी जाए तथा इस मामले में जो हत्यारे भाग चुके हैं उन्हें जल्द से जल्द पकड़कर कठोर रूप से दण्डित किया जाए ।

गौ-हत्या करने वाले को मृत्युंड से कम कोई सजा नहीं होनी चाहिए ऐसा सरकार को कठोर नियम लाना चाहिए ।